आरती नागोवाली माँ की

ॐ जय नागोवाली,
मैया जय नागोवाली ॥
जो भी दर पे आये, जाए ना खाली ॥
ॐ जय नागोवाली ॥

तिरुमलगिरी मैं बन्यो देवरों,
शोभा अति प्यारी,
हो मैया शोभा अति प्यारी।
दर्शन करने थारे, आवै नर नारी ॥

ॐ जय नागोवाली ॥

कंठन पर जड़ाऊ हर थारे, टीको मस्तक पर।
नाक पर थारे नथनी, बाली काना पर ॥

ॐ जय नागोवाली ॥

धेनु दूध को भोग लगावा, नारियल भेंट धरा ॥
छप्पन प्रकार का व्यंजन, थारी मनोहार करां ॥

ॐ जय नागोवाली ॥

ढोल, मृदंग, घडियावल बाजै ॥
नौबत, द्वार सजे,
थारे नाम का डंका चारो ओर बजे।

ॐ जय नागोवाली ॥

भांति-भांति का आवे फरियादी,
थासू अरज करे, जो कोई शरण मे आवे उसकी विपदा हरे ॥

ॐ जय नागोवाली।।

निस दिन थारी करां आरती, थे हो लखदातार,
भक्त भी मैया दास तिहारो, भरया रखो भंडार ॥
ॐ जय नागोवाली ॥

नागोवाली माँ की आरती जो कोई नर गावै, जो सुंदर गावै ॥
बांके पाप उतर जावे, बाँके घर लक्ष्मी आवे,
कहत शिवानंद स्वामी, कहत हरिहर स्वामी, सुख सम्पति पावे ॥
ॐ जय नागोवाली ॥

प्रदीप शर्मा
सरिया, गिरिडीह
झारखंड।।

Source: https://www.bharattemples.com/aarti-nagowali-maa-ki/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw